डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर

<u>डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड</u>

नई दिल्ली, 19.10.2016

<u>प्रेस रिलीज़</u>

डीएफसीसीआईएल ने पश्चिमी डीएफसी में शत-प्रतिशत कॉण्ट्रैक्ट अवार्ड का लक्ष्य पूरा किया

डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (डीएफसीसीआईएल) ने एक और उपलब्धि हासिल की है। पश्चिमी डीएफसी के दादरी-रेवाड़ी सेक्शन में एकीकृत कॉण्ट्रैक्ट अवार्ड करने के साथ ही डीएफसीसीआईएल ने पश्चिमी डीएफसी में सभी कॉण्ट्रैक्ट अवार्ड कर दिए हैं। इस सेक्शन की लंबाई 128 किलोमीटर है और ऐसा पहली बार हुआ है, जब पश्चिमी डीएफसी में सिविल, इलेक्ट्रिकल और सिग्नल-टेलीकॉम का एकीकृत कॉण्ट्रैक्ट अवार्ड किया गया है। इस कॉण्ट्रैक्ट की लागत रु. 3798.9 करोड़ है, जिसे सोजित-एल ऐंड टी कन्सॉर्शयम को अवार्ड किया गया है।

इसके साथ ही, पश्चिमी डीएफसी में रु. 32,683 करोड़ के कुल 19 कॉण्ट्रैक्ट अवार्ड कर दिए गए हैं। इनमें रु. 23,910 करोड़ के 10 सिविल कॉण्ट्रैक्ट, रु. 7,330 करोड़ के पांच सिस्टम कॉण्ट्रैक्ट तथा रु. 1443 करोड़ के चार कंसलटेंसी/प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कंसलटेंसी कॉण्ट्रैक्ट शामिल हैं।

डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (डीएफसीसीआईएल) रेल मंत्रालय के अधीन स्थापित एक विशेष प्रयोजन संस्था है, जो ऐसे कोरीडोरों का निर्माण कर रही है, जिन पर केवल माल गाड़ियों का संचालन होगा। डीएफसीसीआईएल पहले चरण में पूर्वी और पश्चिमी कोरीडोरों के नियोजन, निर्माण, परिचालन और रख-रखाव का कार्य कर रहा है। 1840 किलोमीटर लंबा पूर्वी कोरीडोर पंजाब के लुधियाना से पश्चिम बंगाल के डानकुनि के बीच बनाया जा रहा है। वहीं उत्तर प्रदेश के दादरी से मुंबई स्थित जवाहर लाल नेहरू पोर्ट के बीच बन रहे पश्चिमी कोरीडोर की लंबाई 1502 किलोमीटर है।

पूर्वी डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर लुधियाना से शुरू होकर कोलकाता के पास डानकुनि पर समाप्त होगा। यह पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल राज्यों से

गुज़रेगा। जबकि, पश्चिमी डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर दादरी (उत्तर प्रदेश) से शुरू होकर जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट (मुंबई) पर समाप्त होगा। यह कोरीडोर उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र से होकर गुज़रेगा।

पश्चिमी कोरीडोर का निर्माण जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी (JICA) एवं पूर्वी कोरीडोर में लुधियाना से मुग़लसराय सेक्शन का निर्माण विश्व बैंक द्वारा प्रदत्त ऋण से किया जा रहा है।

प्रकाशनार्थ/प्रसारणार्थ

राजेश खरे

उप-महाप्रबंधक

जन संपर्क

डीएफसीसीआईएल

सोशल मीडिया पर हमसे जुड़ें- www.facebook.com/dfccil.india, www.twitter.com/dfccil_india, www.youtube.com/dfccilindia

----